an>

Title: Need to develop Charkhari fort in Hamirpur Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh as a tourist place.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर) ः बुंदेलखण्ड का इतिहास आत्म गौरव, त्याग और संघर्षों का इतिहास है। इसके गवाह इस क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर बने ऐतिहासिक किले हैं जिनमें चरखारी किला ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण किला है एवं इस किले का प्रयोग इस क्षेत्र में पर्यटन विकास के रूप में किया जा सकता है।

चरखारी पर्यटन की दृष्टि से बेहद रमणीक स्थल है। वर्षा ऋतु एवं इसके उपरांत यहां प्राकृतिक सौन्दर्य देखने लायक होता है और यह बुंदेलखण्ड के कश्मीर के नाम से जाना जाता है। यदि चरखारी किले के पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए तो बहुत कम लागत में पर्यटन के माध्यम से आर्थिक रूप से पिछड़े बुंदेलखण्ड में रोज़गार के नवीन अवसर पैदा होंगे। जहां भारत सहित पूरी दुनिया में ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित एवं पर्यटन से संबद्ध करने के प्रयास किए जा रहे हैं। वही चरखारी के किले का प्रयोग डी.आर.डी.ओ. भवन के रूप में किया जा रहा है। पूर्व में भी ब्रिटिश काल के छावनी बने किलों का ऐतिहासिक धरोहरों का दर्जा दे कर पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयास हुए है।

अतः मैं भारत सरकार से यह मांग करता हूं कि यदि चरखारी किले का पूरा हिस्सा पर्यटन के लिए खोलना संभव न हो तो किले के कुछ हिस्से को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने के प्रयास भारत सरकार द्वारा किये जाने चाहिए।